



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1975 (भाद्र 22, 1897)

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1975 (BHADRA 22, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 4

PART III—SECTION 4

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं
**Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements
and Notices issued by Statutory Bodies**

केन्द्रीय कार्यालय
स्टेट बैंक आफ इंडिया

सूचना
बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1975

सं० 1—स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक) अधिसूचना 1959 की धारा 29 (1) के अनुसार, स्टेट बैंक आफ इंडिया ने स्टेट बैंक आफ मैसूर के निदेशक बोर्ड से विचार विमर्श करके एवं रिजर्व बैंक आफ इंडिया की स्वीकृति लेकर श्री जी० एम० नटराजन, उप-महाप्रबन्धक, स्टेट बैंक आफ मैसूर, को श्री सी० वीरराघवन के स्थान पर 6 जून, 1975 से उस बैंक का स्थानापन्न प्रबन्ध नियुक्त किया है।

टी० श्राव० वरवाचारी
प्रबन्ध नियुक्ति।

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान
नई दिल्ली-1, दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० 5 सी० ए० (1)—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी० ए० (1)/23/72-73 दिनांक 2 फरवरी, 1973 (2) 4 सी० ए० (1)/14/74-75 दिनांक 16-12-74 (3)

4 सी० ए० (1) /20/74-75 दिनांक 3 फरवरी, 1975 । के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः स्थापित कर दिया है।

क्र०	सं०	स०सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	9812		श्री एलन मैथ्यू, ए० सी० ए०, फरनान्डैस, 12-ए, इलेंग्रेट रोड, सूट नं० 8, कलकत्ता-16	18-7-75
2.	10386		श्री उगर सैन, ए० सी० ए०, एफ०-55, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।	21-7-75

(1697)

3. 13289 श्री असीष, रशीद दस, ए०सी०ए० 31-7-75
के० श्रा० मैकनील, एण्ड मेगर
लिमिटेड, टी० एकाउन्ट्स
डिपार्टमेन्ट, 2, फेररली
प्लेस, कलकत्ता-१

दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० 4 सी० ए० (1) 6/75-76—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्न-लिखित सदस्यों का नाम आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है:—

क्र० स० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1. 89	श्री पी० एम० रायेजी मेसर्ज एन० एम० रायेजी एण्ड को०, मूर्तीवर्सल इनशोरेन्स बिल्डिंग, फिरोजशाह मेहता रोड, बम्बई।	13-7-75
2. 968	श्री डी० एस० तलवार, १-इ०/१७, शनडेवला एक्सटेंशन नई दिल्ली।	13-7-75

(चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स)

दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 1 सी० ए० (84) 75—चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स रेगुलेशंस, 1974 में किए जाने वाले निश्चित संशोधन का निम्नांकित मसाविदा जो चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स एक्स, 1949 (1949 का 38वां) एक्ट के भाग 30 के उप-भाग (1) और (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रस्तावित किया गया है और उसके द्वारा प्रमाणित होने वाले समस्त व्यवितयों को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है और एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मसाविदे पर 20-10-75 को अथवा उसके पश्चात विचार किया जायेगा।

उपर्युक्त मसाविदे के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से निर्दिष्ट तिथि से पूर्ण प्राप्त किसी भी आपत्ति अथवा सुझाव पर कौसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया नई दिल्ली द्वारा विचार किया जायेगा।

उपर्युक्त रेगुलेशन्स में:—

1. रेगुलेशन 11 में:—

“(1) उप-रेगुलेशन 8 (i) में वर्तमान शब्द “कौसिल की राय में प्रत्यर्थी के विरुद्ध प्रथम दृष्टि में मामला है” के लिए शब्द “कौसिल को प्रथम दृष्टि में राय है कि प्रत्यर्थी व्यावसायिक और अथवा अन्य दुराचार का दोषी है” बदल लें।

(2) उपरेगुलेशन 8 (ii) में वर्तमान शब्द “कौसिल की राय में प्रत्यर्थी के विरुद्ध प्रथम दृष्टि में मामला नहीं है” के लिए शब्द “कौसिल की प्रथम दृष्टि में राय है कि प्रत्यर्थी किसी यव-सायिक अथवा अन्य दुराचार का दोषी नहीं है” बदल लें।

2. वर्तमान रेगुलेशन 15 के लिए, निम्नांकित बदल लें:—

“15. कौसिल के समक्ष सुनवाई में प्रक्रिया”:

“(1) यदि कौसिल को, अपनी जांच-परिवार के फल-स्वरूप यह राय है कि सैक्षण 21 के उप-रेगुलेशन (4) के अधीन आवेदन देने का मामला है तो वह (ए) प्रत्यर्थी को अनुशासनात्मक समिति नी रिपोर्ट और जांच परिणाम के कापी देगा और (बी) निर्दिष्ट तिथि को उस के समक्ष प्रस्तुत होने के लिए एक नोटिस देगा अथवा वह व्यक्तिगत सुनवाई नहीं चाहता तो निर्दिष्ट तिथि के अन्दर सैक्षण 21 (4) के अधीन उसके दिए जाने वाले के सम्बन्ध में जो प्रतिवेदन देना चाहे भेज देगी।

(2) सुनवाई अथवा लिखित रूप में प्रतिवेदन देने का क्षम्ता जैसी भी स्थिति हो, सैक्षण 21 (4) के अधीन दिए जाने वाले आदेश तक ही सीमित होगा।

(3) कौसिल प्रत्यर्थी की सुनवाई के बाद यदि वह व्यक्तिगत रूप से आता है, अथवा उसके द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर यदि कोई है विचार करने के बाद जो उचित समझे आदेश दे देगी।

(4) कौसिल द्वारा दिए गए आदेश शिकायत कर्ता और प्रत्यर्थी को भेज दिए जायेंगे।

3. रेगुलेशन 25 के उप-रेगुलेशन (4) में शब्द “सभी अथवा किसी भी प्रश्नपत्रों के लिए दस रुपये” के लिए शब्द ‘प्रति प्रश्न पत्र दस रुपये अधिकतम तीस रुपये’ बदल लें।

4. रेगुलेशन 32 बी के उप-रेगुलेशन (2) में शब्द ‘कानून’ निकाल दें।

5. वर्तमान रेगुलेशन 37 के लिए निम्नांकित बदल लें:—

“37 आर्टिकल्स को रद्द करना,

(1) किसी आर्टिकल्ड क्लर्क के विरुद्ध जब कोई शिकायत अथवा दुराचार की कोई सूचना अथवा रेगुलेशन 36 को भंग करने अथवा आर्टिकल्स में दिए गए किसी प्रसंविदाओं के भंग करने की कोई सूचना मिली है तो परीक्षा समिति इसकी छानबीन करायेगी और कौसिल को अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौसिल आर्टिकल्स के रजिस्ट्रेशन को रद्द कर सकती है अथवा ऐसे आर्टिकल्स के अन्तर्गत सेवा करने की किसी अवधि को, अनुसूची ‘बी’ अथवा अनुसूची ‘बीबी’ जैसी भी स्थिति हो, में निर्दिष्ट प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की अवधि के उद्देश्य हेतु सेवा न मानने का निर्देश दे सकती है।

(3) कोई भी सदस्य किसी भी आर्टिकल्ड क्लर्क को जिसके आर्टिकल्स का रजिस्ट्रेशन इस रेगुलेशन के अधीन रद्द कर दिया गया है, कौसिल की अनुमति के बिना, आर्टिकल्ड अथवा आर्डिं क्लर्क के रूप में न तो रखेगा और न लेगा।”

6. वर्तमान रेगुलेशन 39 के लिए, निम्नांकित बदल लें :—

“39 नियोक्ता के विशद्ध शिकायत

(1) आर्टिकल्ड कलर्क के रूप में अपनी ट्रेनिंग से संबंधित जब कोई आर्टिकल्ड कलर्क अपने नियोक्ता के विशद्ध शिकायत करता है तो परीक्षा समिति उसकी छानबीन करायेगी और कौसिल को अपनी सिकारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौसिल जो भी आवश्यक समझे कार्यवाही करेगी।

(3) शिकायत की छानबीन होने तक अध्यक्ष या तो आर्टिकल्स को समाप्त अथवा निलम्बित कर देगा और रेगुलेशन 29 में दी गई अन्य बातों के होते हुए सदस्य के द्वारा आर्टिकल्ड कलर्क को एक अतिरिक्त आर्टिकल्ड कलर्क के रूप में स्थीकार किये जाने की अनुमति देंगा।”

7. वर्तमान रेगुलेशन 46 में :—

(1) शब्द ‘विच्छेद अथवा समाप्त करना’ निकाल दें और इसे पुनः उप-रेगुलेशन (1) का नम्बर दें :—

(2) पुनः दिए गए नम्बर उप-रेगुलेशन (1) के बाद निम्नांकित उप-रेगुलेशन (2) जोड़ लें :—

“(2) पूर्ण कालिक ट्रेनिंग से पूर्व किसी आर्टिकल्ड कलर्क की सेवा विच्छेद अथवा समाप्त कर देने की स्थिति में, नियोक्ता आर्टिकल्ड कलर्क को उपर्युक्त फार्म में एक सटिफिकेट दे देगा। फार्म की प्रतिलिपि सचिव से अनुरोध करने पर प्राप्त की जानी चाहिए। इस प्रकार के फार्म पर इस्टीट्यूट की मुहर और जारी करने की तिथि होगी और उसके बाद वह केवल 60 दिन के लिए मात्य होगा।”

8. वर्तमान रेगुलेशन 56 के लिए निम्नांकित बदल लें :—

“5.6 आर्डिट सेवा को रद्द करना

(1) किसी आर्डिट कलर्क के विशद्ध जब कोई शिकायत अथवा दुराचार की सूचना अथवा रेगुलेशन 51 को भंग करने की सूचना मिलती है तो परीक्षा समिति इसकी छानबीन करायेगी और कौसिल को अपनी सिकारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौसिल आर्डिट सेवा के रजिस्ट्रेशन को रद्द कर या उसकी अवधि को बढ़ा सकता है अथवा ऐसी आर्डिट सेवा के अन्तर्गत सेवा करने की किसी अवधि को अनुसूची ‘बी’ अथवा अनुसूची ‘बी-बी’ जैसी भी स्थिति हो, में निर्दिष्ट प्रैक्टीकल ट्रेनिंग की अवधि के उद्देश्य हेतु सेवा न मानने का निर्देश दे सकती है।

(3) कोई भी सदस्य किसी भी आर्डिट कलर्क को जिसकी आर्डिट सेवा इस रेगुलेशन के अधीन रद्द कर दी गई है, कौसिल की अनुमति के बिना आर्डिट अथवा आर्टिकल्ड कलर्क के रूप में न तो रहेगा और न लेंगा।”

9. वर्तमान रेगुलेशन 57 के लिए, निम्नांकित बदल लें :—

“57 नियोक्ता के विशद्ध शिकायत

(1) आर्डिट कलर्क के रूप में अपनी ट्रिनिंग से संबंधित जब कोई आर्डिट कलर्क अपने नियोक्ता के विशद्ध शिकायत करता है तो परीक्षा समिति उसकी छानबीन करायेगी और कौसिल को अपनी सिकारिशों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद कौसिल जो भी आवश्यक समझे कार्यवाही करेगी।

(3) शिकायत की छानबीन होने तक अध्यक्ष या तो आर्डिट सेवा को समाप्त अथवा निलम्बित कर देगा और रेगुलेशन 48 और 48ए० में दी गई अन्य बातों के होते हुए सदस्य के द्वारा आर्डिट कलर्क के रूप में स्थीकार किए जाने की अनुमति देंगे।

10. रेगुलेशन 158 के बाद निम्नांकित नया रेगुलेशन जोड़ लें :—

“158. ए० फार्म सब्लाई करना

जब इन रेगुलेशन्स के अधीन सचिव से कोई फार्म प्राप्त करना अपेक्षित होता है, तो वह सचिव अथवा इस्टीट्यूट के किसी अधिकारी को जो इस उद्देश्य के लिए उसके द्वारा नियुक्त किया गया हो, अनुरोध करने पर सब्लाई किया जायेगा और इसके लिए कौसिल द्वारा समय समय पर निश्चित शुल्क, यदि कोई हो तो अदा करना होगा।”

11. फार्म 20 में :—

(1) ऊंगर कोळक में रेगुलेशन्स के सन्दर्भ को बदल लेताकि वह निम्न प्रकार पढ़ा जायें :—

“(देखें रेगुलेशन 46 (1) और अनुसूची ‘बी’ के पैराग्राफ 11 और 12 तथा अनुसूची ‘बी बी’ के 10 और 11)”—

(2) प्रीमियम से सम्बन्धित उसका पैराग्राफ 3 और 4 निकाल दें।

12. वर्तमान फार्म 20 के बाद निम्नांकित नया फार्म 20ए बढ़ा लें, अर्थात् :—

“फार्म 20ए।”

(देखें अनुसूची ‘बी’ के पैराग्राफ 11 और 12 तथा अनुसूची ‘बी बी’ के पैराग्राफ 10 और 11 के साथ पठित रेगुलेशन 46 (2)।

दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया, ‘आर्टिकल्स के विच्छेद अथवा समाप्त होने पर सेवा का सटिफिकेट’ में प्रमाणित करता हूं कि श्री _____ ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन के अनुसार मेरे अधीन आर्टिकल्ड कलर्क के रूप में _____ वर्ष _____ माह _____ दिन की अवधि हेतु दिनांक _____ से _____ तक कार्य किया है, उसकी प्रगति संतोषजनक थी और मेरी पूरी जानकारी के अनुसार उसका नैतिक चालचलन अच्छा है।

आर्टिकल्स आपकी सहमति से दिनांक _____ से समाप्त किए जाते हैं।

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त अवधि के दौरान आर्टिकिल्ड कलर्क को— दिन की छुट्टी दी गई थी।

आर्टिकल्स कॉसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के पास विधिवत रजिस्ट्रेशन पर रजिस्टर्ड किए गए थे।

स्थान हस्ताक्षर
दिनांक नाम स्पष्ट शब्दों में

मैं श्री के साथ दिनांक से आर्टिकिल्स के अधीन अपनी ट्रैनिंग की समाप्ति के लिए अपनी पूर्ण इच्छा से सहमत हूँ और इस सर्टिफिकेट में दी गई बातों की सहमति प्रकट करता हूँ।

स्थान :

तिथि : आर्टिकिल्ड कलर्क के हस्ताक्षर (रजिस्टरनं०)

नोट : (1) इस सर्टिफिकेट के जारी करने की तिथि इंस्टीट्यूट के कार्यालय से जिस तिथि को फार्म जारी किया गया था, उससे पूर्व नहीं हो सकती।
(2) यह फार्म इंस्टीट्यूट के कार्यालय से जारी करने की तिथि से केवल साठ दिन की अवधि के लिए ही मान्य है।"

पी० एस० गोपालकृष्णन्, सचिव

दी इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड बकर्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1975

(कास्ट एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 11-सी० डब्ल्यू० आर० (37-38)/75—दी कास्ट एण्ड बकर्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स, 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों के अभ्यास करने का प्रमाण-पत्र रद्द किया जाता है:—

श्री जी० गंगापति सुब्रमनियन 26 जून 1975 से लेकर 30
2, लीला भवन,
धानसली कालोनी रोड,
याना-400 602
(सदस्यता संख्या 3434)

श्री श्री० देव राजन,
7, निर्मला निवास,
मिन्सेन्ट रोड,
बम्बई-400 019
(सदस्यता संख्या 479)

एस० एन० घोष, सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र उद्योग समिति

बम्बई-400 018, दिनांक 19 अगस्त 1975

—वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम, 1963 ई० (1963 ई० का 41) की द्वारा 23 को उप-धारा (2) के खंड (ग) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति, केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति से, इसके द्वारा वस्त्र उद्योग समिति कर्मचारी (सेवा प्रतिबन्ध) विनियम, 1971 ई० में और संशोधन करने के लिए निम्न विनियम बनाती है, अर्थात्:—

(1) (1) वे विनियम वस्त्र उद्योग समिति कर्मचारी (सेवा प्रतिबन्ध) द्वितीय संशोधन विनियम, 1975 ई० कहलाएं।

(2) ये शासकीय राजपत्र में उनके प्रकाशन के दिनांक से प्रवर्तमान होंगे।

(2) वस्त्र उद्योग समिति कर्मचारी (सेवा प्रतिबन्ध) विनियम, 1971 ई० के,—

(एक) विनियम 9 के स्थान में निम्न रखा जायेगा, अर्थात्:—

"9 सेवा समाप्ति

(क) परिवीक्षा काल में:

किसी कर्मचारी की सेवा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा किसी भी समय बिना सूचना दिए समाप्त की जा सकेगी।

(ख) अस्थायी सेवा में:

किसी भी अस्थायी कर्मचारी की सेवा परीक्षा काल पूर्ण होने के बाद किन्तु पांच वर्ष पूर्ण होने के पहले नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा किसी एक तरफ से एक महीने की सूचना देने के बाद तथा तदुपरान्त किसी भी और से तीन महीने की सूचना देने के बाद समाप्त की जा सकेगी।

(ग) स्थायी सेवा में:

जब स्थापना में कमी करने के कारण किसी स्थायी कर्मचारी की सेवा समाप्त की जाती है, तो उसे तीन महीने की सूचना दी जायेगी।

(घ) तथापि खंड (ख) तथा (ग) में निर्दिष्ट दोनों मामलों में नियुक्ति प्राधिकारी को, किसी कर्मचारी की सेवा तुरत या सूचना काल के अवसान के पूर्व ही, ऐसी रकम की अदायगी करके, जो कि सूचना काल या उसके अनवसित भाग के वेतन तथा भत्ते के बराबर होगी जिसकी दर वही होगी जो कि उसे सेवा समाप्त करने के सब पूर्व मिलता था, समाप्त करने का अधिकार प्राप्त होगा।

9-क स्थायी सेवा:

(एक) पदों पर स्थायी नियुक्तियां, समुचित विभागीय पदोन्नती समिति की सिफारिश प्राप्त करने के बाद, बरिष्ठता व योग्यता के आधार पर की जायेंगी।

(दो) किसी संवर्ग में पद या पदों को कम करने के कारण उस संवर्ग के स्थायी कर्मचारियों की सेवायें कनिष्ठता के अनुक्रम में समाप्त की जायेगी।

(तीन) अनुशासनिक कार्यवाही या समिति द्वारा अनुमोदित विकित्सा प्राधिकारी द्वारा सेवा में बने रहने के सम्बन्ध में उसे शारीरिक या मानसिक रूप से अध्योग्य घोषित किए जाने पर, इन दो बातों को छोड़कर, किसी संवर्ग के स्थायी कर्मचारी की सेवा तक तक समाप्त नहीं की जायेगी जब तक कि वह पद किसी अन्य अस्थायी या स्थानापन्न कर्मचारी द्वारा संधृत है।

(चार) कोई भी स्थायी कर्मचारी सचिव को स्वयंलिखित तीन महीनों से अनूत काल की सूचना देकर अपने पद से त्यागपत्र दे सकेगा:

परन्तु ऐसे मामलों के सिवाय, जिसमें नियुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि अन्य बातों के साथ-साथ आरोपों के स्वरूप, कर्मचारी के विरुद्ध साक्ष की मात्रा तथा विभागीय

कार्यवाहियों के सम्बन्ध में समिति के संभाष्य व्यय को ध्यान में रखते हुए त्याग-पत्र स्वीकार करना इष्टकर है, अन्य मामलों में निलंबनाधीन स्थायी कर्मचारी का त्याग-पत्र सामायतः स्वीकार नहीं किया जायेगा।"

(दो) विनियम 10 के उप-विनियम (दो) के बाद निम्न निविष्ट किया जायेगा, अर्थात् :—

"(तीन) पदोन्नति पर या अन्य पदों पर नियुक्ति होने पर वेतन नियत करना :

अस्थायी कर्मचारी जिन्होंने किसी विशेष श्रेणी में लगातार तीन वर्षों की अवधिपूरी कर ली है किसी अन्य पद पर वेतन नियत करने सम्बन्धी मर्यादित प्रयोजनों के लिए उन्हें उस पद पर स्थायी समझा जायेगा।"

पी० एन० आनन्द, सचिव

सालारजंग संग्रहालय

नियुक्ति नियम सालारजंग मण्डल द्वारा निर्धारित

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1975

भारत सरकार के "भारत का राजपत्र" दिनांक 25 जनवरी सन् 1969 (माघ 5, 1890) भाग III, खण्ड 4 में प्रकाशित वर्तमान समय में लागू निदेशक (डाइरेक्टर) सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद आ० प्र० के नियुक्ति नियमों के स्थान पर नीचे लिखे संशोधित नियुक्ति नियम प्रभावी माने जाएः—

सालारजंग संग्रहालय मण्डल—नियुक्ति नियम

पदनाम	वर्गीकरण	वेतनमान	चुनाव के द्वारा या बिना चुनाव	आयु सीमा	शिक्षा सम्बन्धी तथा अन्य योग्यतायें सीधी भर्ती के लिए	6
निदेशक	श्रेणी-1	रु० 1500-60-1800-100-2000	चुनाव के आधार पर मण्डल की इच्छा पर आयु में छूट सम्भव	50 मध्ये 5 में से 40	स्वाति प्राप्त संग्रहालय शास्त्री या अन्य विषय का ऐसा पण्डित जो कोई भी नीचे लिखी योग्यतायें प्राप्त किये हों :—	
					आवश्यक :—	

(अ) ललित कला (जिस में भारतीय कला अथवा विदेशी कला का इतिहास सम्मिलित हो) या भारतीय अथवा यूरोपीय इतिहास में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम-से-कम द्वितीय श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि या उसके समकक्ष योग्यता।

और

15 वर्ष का वरिष्ठ प्रशासनिक पद पर किसी कीर्ति प्राप्त संग्रहालय में सेवा का अनुभव। संग्रहालय शास्त्र में डिप्लोमा प्राप्त अध्ययनों के लिए किसी कीर्ति प्राप्त संग्रहालय में वरिष्ठ प्रशासनिक पद पर 10 वर्ष की सेवा का अनुभव अपेक्षित।

1

2

3

4

5

6

अथवा

(ब) ललित कला (भारतीय या विदेशी कला का इतिहास) में भारतीय अथवा यूरोपीय इतिहास में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त होने के साथ-साथ किसी महाविद्यालय या किसी विश्वविद्यालय या किसी विश्वोपार्जन सम्बन्धी या सांस्कृतिक संस्था में उत्तरदायित्व पूर्ण स्थिति में कार्य करने के अनुभव के साथ-साथ मूलशोध कार्य करने अथवा उसे संचालित करने का पर्याप्त अनुभव प्राप्त हो और उस अनुभव की पुष्टि मुद्रित शोध ग्रंथों, शोध लेखों या शोध पुस्तिकालों के आधार पर प्रमाणित होनी चाहिए।

बांछनीय :—

निम्नलिखित भाषाओं में से एक या अधिक का ज्ञान :—

संस्कृत, प्राकृत, फारसी, फांसीसी एवं जर्मन।

क्या शिक्षा सम्बन्धी योग्यता में जो सीधी भर्ती के आवेदक के लिए निर्धारित है वह पदोन्नति चाहने वालों पर भी लागू होगी।

परीक्षण अवधि
यदि
कोई हो

भर्ती का उपाय सीधे-
भर्ती के आधार पर
या पदोन्नति से या
उधार स्वरूप सेवा ले
कर या स्थानान्तरण से
और विभिन्न विषयों
से पद भरने की दशा में
प्रत्येक का प्रतिशत

पदोन्नति या उधार सेवा
लेने की अथवा स्थानान्तरण की दशा में वह
वेतनमात्र जिसमें स्थान
पाने वाले प्रत्याशी पदोन्नति, उधार स्वरूप
सेवा अथवा स्थानान्तरण
के आधार पर नियुक्ति
के लिए विचार किए

जाएंगे

विभागीय यदि
पदोन्नति समिति
नियुक्त है तो उस
की बनावट

विशेष विवरण

यह शर्त इस पर लागू
नहीं है 2 वर्ष

सीधी भर्ती से

यह लागू नहीं है

यह लागू नहीं है

पद का नाम वर्गीकरण
वेतनमान

चुनाव
या बिना
चुनाव का पद

आयु सीमा

शिक्षा तथा सम्बन्धी योग्यताएं जो सीधे-
भर्ती के अध्यय्यियों से अपेक्षित
हैं

1

2

3

4

5

6

वरिष्ठ द्वितीय श्रेणी रु 550-25-750 चुनाव
रासायनिक (अकरणिक) ई० वी० -30-900 पद 35 वर्ष सीधे-
भर्ती के अध्यय्यियों के लिए आवश्यक :—
सहायक पर उनके लिए छूट (1) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से
कम-से-कम द्वितीय श्रेणी में रसायन शास्त्र में एम० एस० सी० या समकक्ष योग्यता।

सम्भव जोकि
विशेष योग्यता
एवं अनुभव से
मुक्त हो।

(2) लगभग दो वर्षों का विश्लेषण रसायनशास्त्र में
प्रयोगिक अनुभव चुनाव समिति की सिकाइयों
पर मंडल योग्यता में छूट दे सकता है।

बांधनीय:—
संग्रहालय की वस्तुओं के संरक्षण एवं विश्लेषण का अनुभव।

क्या शिक्षा सम्बन्धी योग्यता भर्ती की विधि—सीधी भर्ती या स्था-पदोन्नति स्थानान्तरण से भर्ती की जो सीधे भर्ती के अध्यर्थ नान्तरण या पदोन्नति रिक्त पदों अवस्था में वे वेतनमान जिन से से अपेक्षित हैं वे पदोन्नति के का प्रतिशत जो विभिन्न विधियों पदोन्नति हो सकेंगी।
अध्यर्थी पर भी लागू होगी से के लिए नियत है।

विशेष विवरण

7

8

9

10

लागू नहीं है

पदोन्नति के आधार पर किन्तु पदोन्नति:
उपयुक्त अध्यर्थी न होने पर रसायनिक-सहायक
सीधी भर्ती से।

(रु 425-700)
साधारणतया वे अधिकारी जिन-
की सेवा इस पद पर तीन
वर्ष से कम होगी पदोन्नति
के लिए विचार न किए
जाएंगे।

ह० अमरनीष
अध्यक्ष,

सालारजंग संग्रहालय मण्डल

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
Bombay, the 6th August 1975

In term of Section 29(1) of the State Bank of India (subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India after consulting the Board of Directors of the State Bank of

Mysore and with the approval of the Reserve Bank of India have appointed Shri G. M. Natarajan, Dy. General Manager, State Bank of Mysore, to officiate as Managing Director of that Bank with effect from the 6th June 1975 vice Shri C. Veeraraghavan.

T. R. VARADACHARY, Managing Director.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-I, the 8th August 1975

No. 4-CA (1)/6/75-76—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen:—

S. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Removal
1.	89	Shri P. M. Rajji, C/o M/s. N. M. Rajji & Co., Universal Insurance Bldg., Pherozeshah Mehta Road, Bombay-400001.	13-7-1975
2.	968	Shri D. S. Talwar, 1-E/17, Jandewalan Extn., New Delhi.	13-7-1975

The 18th August 1975

No. 5-CA(1)/3/75-76.—With reference to this Institute's Notification No. (1) 4-CA(1)/23/72-73, dated 2nd February, 1973 (2) 4-C/1/14/74-75 dated 16th Dec., 1974, (3) 4CA(1)/20/74-75 dated 3rd February, 1975, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restoration
1.	9812	Shri Allen Mathew Fernandes, A. C. A., 12-A, Elliot Road, Suit No. 8 Calcutta-16.	18-7-75
2.	10386	Shri Ugar Sain, A. C. A., F-55, Kirti Nagar, New Delhi.	21-7-75
3.	13289	Shri Asish Rashid Dutt, A.C.A., C/o Macneill & Magor Ltd., Tea Accounts Department, 2, Fairlie Place, Calcutta-1.	31-7-75

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(84)/75.—The following draft of certain amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, which it is proposed to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (Act XXXVIII of 1949), is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after the 20th October 1975.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi.

In the said Regulations :—

I. In regulation 11 :—

- (1) In sub-regulation 8(1), for the existing words "the Council is of opinion that there is a *prima facie* case against the respondent", substitute the words "the Council is *prima facie* of opinion that the respondent is guilty of professional and/or other misconduct".
- (2) In sub-regulation 8(ii), for the existing words "the Council is of opinion that there is no *prima facie* case against the respondent", substitute the words "the Council is *prima facie* of opinion that the respondent is not guilty of any professional or other misconduct".

II. For the existing Regulation 15, substitute the following :—

15. Procedure in a hearing before the Council

- (1) If the Council, in view of its findings is of opinion that there is a case for passing an order under sub-section (4) of Section 21, it shall—
 - (a) furnish to the respondent a copy of the report of the Disciplinary Committee and a copy of the findings; and
 - (b) give him a notice calling upon him to appear before it on a specified date or if he does not wish to be heard in person, to send within a specified time, such representation in writing as he may wish to make in connection with the order to be passed against him under Section 21(4).
- (2) The scope of the hearing or of the representation in writing, as the case may be, shall be restricted to the order to be passed under Section 21(4).

(3) The Council shall, after hearing the respondent if he appears in person or after considering the representation, if any, made by him, pass such orders as it may think fit.

(4) The orders passed by the Council shall be communicated to the complainant and the respondent."

III. In sub-regulation (4) of regulation 25, for the words "ten rupees for all or any of the papers," substitute the words "ten rupees per paper subject to a maximum of thirty rupees".

IV. In sub-regulation (2) of Regulation 32B, delete the word "Kanpur".

V. For the existing Regulation 37, substitute the following :—

37. Cancellation of articles

(1) Where a complaint or information of any misconduct or breach of regulation 36 or breach of any of the covenants contained in the articles is received against an articled clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations.

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, cancel the registration of the articles or direct that any period already served under such articles shall not be reckoned as service for the purposes of the period of practical training specified in Schedule 'B' or Schedule 'BB', as the case may be.

(3) The articled clerk, the registration of whose articles has been cancelled under this regulation, shall not, except with the permission of the Council, be retained or taken as an articled or audit clerk by any member."

VI. For the existing regulation 39, substitute the following :—

39. Complaint against the employer

(1) Where an articled clerk makes a complaint against his employer on a matter concerning his training as an articled clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations.

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, take such action as it may consider expedient.

(3) The President may, pending an investigation of the complaint, either terminate or suspend the articles and allow the articled clerk to be accepted as an additional articled clerk by a member, notwithstanding anything contained in regulation 29."

VII. In the existing regulation 46:—

- (1) delete the words "discontinuance or termination" and re-number it as sub-regulation (1);
- (2) insert the following sub-regulation (2) after sub-regulation (1) so renumbered:—

"(2) In the event of discontinuance or termination of the service of an articled clerk before the expiry of the full period of training, the employer shall issue to the articled clerk a certificate in the appropriate form a printed copy of which should be obtained on request from the Secretary. Such form shall bear the stamp of the Institute and the date of its issue and shall be valid only for 60 days thereafter."

VIII. For the existing regulation 56, substitute the following:—

"56. *Cancellation of audit service*

(1) Where a complaint or information of misconduct or breach of regulation 51 is received against an audit clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations.

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, cancel the registration of the audit service or extend the period of audit service or direct that any period already served as an audit clerk shall not be reckoned as such service for the purpose of the period of practical training specified in Schedule 'B' or Schedule 'BB', as the case may be.

(3) The audit clerk whose audit service has been cancelled under this regulation, shall not, except with the permission of the Council, be retained or taken as an audit or articled clerk by any member."

IX. For the existing regulation 57, substitute the following:—

"57. *Complaint against the employer*

(1) Where an audit clerk makes a complaint against his employer on a matter concerning his training as an audit clerk, the Examination Committee may cause an investigation to be made and submit a report to the Council with its recommendations.

(2) The Council may, on a consideration of the report of the Examination Committee, take such action as it may consider expedient.

(3) The President may, pending an investigation of the complaint, either terminate or suspend the audit service and allow the audit clerk to be accepted as an additional audit clerk by a member, notwithstanding anything contained in Regulations 48 and 48A."

X. After regulation 158, insert the following new regulation:—

"158A. *Supply of forms*

Where under these Regulations, any form is required to be obtained from the Secretary, the same shall be supplied on request by the Secretary or any other officer of the Institute that he may appoint for the purpose, upon payment of such fee, if any, as may be fixed by the Council from time to time."

XI. In Form 20:—

- (1) change the reference to the regulations in brackets at the top to read as under "(See Regulation 46(1) and paragraphs 11 & 12 of Schedule 'B' and 10 & 11 of Schedule 'BB')";
- (2) delete paragraphs 3 & 4 thereof dealing with premium.

XII. After the existing Form 20, insert the following new Form 20A, namely:—

"FORM 20A"

(See Regulation 46(2) read with paragraph 11 & 12 of Schedule 'B' and 10 & 11 of Schedule 'BB')

"Certificate of Service on discontinuance or termination of articles"

I of do hereby certify that Shri served as an articled clerk under me in accordance with the Chartered Accountants Regulations for a period of years months and days from to that his progress was satisfactory and that to the best of my knowledge he bears a good moral character.

The articles are terminated by mutual consent with effect from

I further certify that during the above mentioned period the articled clerk was given leave for days.

The articles were duly registered with the Council of the Institute of Chartered Accountants of India vide Reg. No.

Place :

Date :

(Signature)

Name in block letters

I have agreed for termination of my training under articles with Shri with effect from at my own free will and endorse the contents of this certificate.

Place :

Date :

Signature of articled clerk.

(Reg. No.)

Notes : (1) The date of issue of this certificate cannot be prior to the date on which this form is issued by the office of the Institute.

(2) This form is valid only for a period of sixty days from the date of issue by the office of the Institute.

P. S. GOPALAKRISHNAN, Secy.

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 016, the 1st August 1975

(COST ACCOUNTANTS)

No. 11-CWR(37-38)/75.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to the following members shall stand cancelled for the duration shown against each.

Shri G. Ganapathy Subramanian, 2, Leela Bhawan, Ghati Coony Road, Thana-400602. (Membership No. 3434)—From 26th June 1975 to 30th June 1976.

Shri V. Deva Rajan, 7, Nirmala Niwas, Vincent Road, Bombay-400-019 (Membership No. 479)—From 23rd July 1975 to 30th June 1976.

S. N. GHOSE, Secy.

THE BAR COUNCIL OF INDIA

At its meeting on the 6th of July, 1975, The Bar Council of India has passed the following Resolution regarding the recognition of degrees under Section 24(1)(c)(iii) and (iiiA) of the Advocates Act, 1961.

RESOLUTION NO. 99/1975 dated 6th July, 1975.
In modification of the prior Resolution No. 59/1970—

The Bar Council of India hereby recognises under Section 24(1)(c)(iii) and (iiiia) for purposes of the Advocates Act, 1961, the following degrees in Law obtained from any University in India—

(a) Degree obtained after compliance with the three conditions mentioned in Rule 1(1) in Part IV of the Bar Council of India Rules;

(b) Degrees obtained after undergoing a course of study in Law the duration of which is not less than two academic years commencing from the academic year 1967-68 or any earlier academic year.

A. N. VEERARAGHAVAN, Secy.
Bar Council of India

NEW DELHI
20th August, 1975.

SALAR JUNG MUSEUM BOARD : HYDERABAD.

Recruitment Rules for the post of Senior Chemical Assistant.

Designation of the post	Classification	Scale of pay ¹	Whether selection or non-selection	Age limit	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotion	Method of recruitment whether direct recruitment or transfer or promotion and % of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/ transfer, grades from which promotion to be made	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Senior Chemical Asst.	Cl. II Non- Minis- terial.	550-25 750-EB 30-900	Selection.	35 years for direct recruitment relaxable in case of candidates having special qualifications or experience.	<i>Essential:</i> (i) Atleast second class Master's degree of a recognised University or equivalent in Chemistry (ii) About 2 years practical experience in Analytical Chemistry. Qualifications relaxable by the Board on the recommendations of the Selection Committee ; <i>Desirable</i> : Practical experience of analysis and preservation of museum material.	Not applic- able.	By promo- tion fail- ing which direct re- cruitment.	<i>Promotion</i> Chemical Asst. (425- 700). Ordin- arily offi- cers of less than 3 years seniority in the grades will not be considered eligible for promotion.	

Sd/-illegible
Chairman,

SALAR JUNG MUSEUM BOARD

TEXTILES COMMITTEE
(Government of India, Ministry of Commerce)
79, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018
Bombay-400018, the 19th August 1975

In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (c) of sub-section (2) of section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Textiles Committee hereby makes, with the previous sanction of the Central Government, the following regulations further to amend the Textiles Committee's Employees (Conditions of Service) Regulations, 1971, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Textiles Committee's Employees (Conditions of Service) Second Amendment Regulations, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Textiles Committee's Employees (Conditions of Service) Regulations, 1971:—

(i) for regulation 9, the following shall be substituted, namely :—

"Termination of Service :

(a) *During the probationary period :*
The services of an employee may be terminated

by the appointing authority at any time without notice.

(b) *During temporary service :*

After the completion of the probationary period but before completion of 5 years, the services of a temporary employee, may be terminated by the appointing authority on one month's notice on either side and thereafter on three months' notice on either side.

(c) *During permanent service :*

When the services of a permanent employee are terminated, due to reduction of establishment, he shall be given three months notice.

(d) In both cases referred to in clauses (b) and (c), the appointing authority, however, shall have the right of terminating the services of an employee forthwith or before the expiration of the period of notice by making payment to him of a sum equivalent to the pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his services.

9.A. *Permanent Service :*

- (i) Permanent appointments to posts may be made on the basis of seniority-cum-fitness after obtaining the recommendations of the appropriate Departmental Promotion Committee.
- (ii) As among permanent employees in a cadre termination of services, consequent on reduction of post or posts therein, shall ordinarily take place in the order of juniority.

(iii) Except as a disciplinary measure or on account of being declared physically or mentally unfit for continuance in service by a medical authority approved by the Committee, the services of a permanent employee in a cadre shall not be liable to termination so long as a post in that cadre is held by any other employee in a temporary or officiating capacity.

(iv) A permanent employee may resign his post by a notice of not less than three months in writing given by him to the Secretary:

Provided that the resignation of a permanent employee under suspension may not normally be accepted save in cases in which the appointing authority is satisfied that it would be expedient to accept the resignation having regard *inter alia* to the nature of the alleged charge, the quantum of evidence against the employee and the probable expenditure to the Committee on account of departmental proceedings".

(ii) after sub-regulation (ii) of regulation 10, the following shall be inserted, namely:—

"(iii) *Fixation of pay on promotion or appointment to other posts :*

Temporary employees who have completed three years' continuous service in a particular grade shall be deemed as permanent therein for the limited purpose of fixation of pay in any other post".

P. N. ANAND, Secy.
Textiles Committee

